न्यायालय जिला कलक्टर, बारां (राज.)

पीठासीन अधिकारीः– श्री रोहिताश्व सिंह तोमर (आई.ए.एस.)

प्रकरण संख्या 58 / 2025

बउनवान

सरकार जर्ये धीरज कुमार मीणा, प्रवर्तन निरीक्षक, (बारां) ( प्रार्थी )

बनाम

श्री जितेन्द्र राठौर पुत्र श्री सोभागमल राठौर निवासी शाहाबाद दरवाजा बारां ( अप्रार्थी )

**प्रार्थनापत्र अन्तर्गत धारा 6(ए) आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 / 7 के तहत**

उपस्थिति :– 1. पेरोकार रसद (प्रार्थी )

**निर्णय दिनांक 27.08.2025**

प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रकरण संक्षेप में इस प्रकार है कि दिनांक 25.03.2025 को घरेलू गैस सिलेण्डरों के बढते व्यावसायिक दुरूपयोग की शिकायत के क्रम में प्रार्थी हमराह श्री देवाराम सारण, प्रवर्तन अधिकारी, श्री रमेशचंद मीणा, प्रवर्तन अधिकारी, श्री संतोष कुमार मीणा, प्रवर्तन निरीक्षक संयुक्त टीम के साथ झालावाड़ रोड स्थित श्री गिर्राज जी होम एप्लाईन्स बारां पहुंचे। मौके पर श्री जितेन्द्र राठौर पुत्र श्री सोभागमल राठौर निवासी शाहाबाद दरवाजा बारां उपस्थित मिले जिनके सामने जांच की गई। जांच में मौके पर घरेलु गैस सिलेण्डर का दुरूपयोग किया जाना पाया गया। इसलिये द्रवित पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण का विनियमन) आदेश 2000 के खण्ड 3 का उल्लंघन पाये जाने पर 3 घरेलू गैस सिलेण्डर मौके पर जब्त सरकार कर रूबरू मैसर्स पोरवाल इण्डेन गैस एजेन्सी की सुपुर्दगी में दिया जाकर सुपुर्दगीनामा लिखा गया।

इस प्रकार अप्रार्थी का यह कृत्य राजस्थान पेट्रोलियम उत्पाद (अनुज्ञापन व नियत्रंण) आदेश 1990 के खण्ड 3(1) तथा द्रवित पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण का विनियमन) आदेश 2000 के खण्ड 3(2) का स्पष्ट उल्लंघन है। अतः उपरोक्तानुसार जब्तशुदा गैस सिलेण्डर को आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत राजसात की कार्यवाही कर निस्तारण फरमावें।

इस पर प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी को धारा 6(बी) आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत नोटिस जारी किया गया। अप्रार्थी बावजूद सूचना अनुपस्थित रहा। अतः अप्रार्थी के विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर एकपक्षीय बहस प्रार्थी की सुनी गई ।

हमने बहस एकपक्षीय पेरोकार रसद की सुनी।

दौराने बहस पेरोकार रसद ने प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि अप्रार्थी ने घरेलू गैस सिलेण्डरों का व्यावसायिक उपयोग कर राजस्थान पेट्रोलियम उत्पाद (अनुज्ञापन व नियत्रंण) आदेश 1990 के खण्ड 3(1) तथा द्रवित पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण का विनियमन) आदेश 2000 के खण्ड 3(2) का उल्लंघन किया है। अतः जब्तशुदा 3 गैस सिलेण्डर को आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत राजसात किये जाने के आदेश फरमावें।

Signature Not Verified

हमने सम्पूर्ण पत्रावली का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किये जाने योग्य पाया जाता है।

Digitally signed by Rohitashva Singh Tomar
Date: 2025.09.16 11:10:54 IST
Reason: SelfAttested

जिला कलक्टर
बारां (राज॰)

प्रार्थी ...

परिणामस्वरूप प्रार्थनापत्र प्रार्थी स्वीकार किया जाकर, जिला रसद अधिकारी, बारां को निर्देश जाते है कि जप्तशुदा HPCL गैस सिलेण्डर नम्बर (1) 209900S, INDANE गैस सिलेण्डर नम्बर (2) 169782T, HPCL गैस सिलेण्डर नम्बर (3) 702456S का उपयोग व्यावसायिक कार्य हेतु किया गया है, इसलिये अप्रार्थी/सुपुर्दगीदार से जप्तशुदा गैस सिलेण्डर की सिक्योरिटी राशि मय जुर्माना राशि प्रति गैस सिलेण्डर 2500/- रूपये यानि 3 गैस सिलेण्डर की कुल 7500/- रूपये लिये जाकर जप्तशुदा घरेलू गैस सिलेण्डर को वापस लौटाया जावे। यदि अप्रार्थी जप्तशुदा गैस सिलेण्डर को उक्तानुसार राशि जमा करवा कर वापस नही लेता है तो अप्रार्थी से व्यवसायिक गैस की दर से घरेलू गैस सिलेण्डर की अन्तर राशि नियमानुसार प्राप्त करें एवं प्राकृतिक गैस विभाग द्वारा अपने पत्र दिनांक 22.6.07 द्वारा राज्य सरकार के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, जयपुर के प्रदत्त निर्देशानुसार उक्त जप्तशुदा गैस सिलेण्डर को संचालक मैसर्स पोरवाल इण्डेन गैस एजेन्सी को कीमत पर दिया जाकर उक्तानुसार प्राप्त राशि नियमानुसार राजकोष में जमा करवायी जावें।

निर्णय आज दिनांक 27.08.2025 को लिखाया जाकर सरे इजलास सुनाया गया।

न्यायालय जिला कलेक्टर
सत्यमेव जयते
बाराँ (राज॰)

( रोहिताश्व सिंह तोमर )
जिला कलेक्टर, बारां
जिला कलेक्टर
बारां (राज॰)

Signature Not Verified

Digitally signed by Rohitashva Singh Tomar
Date: 2025.09.16 11:10:54 IST
Reason: SelfAttested